Unit III (इकाई III)

6. Explain the significance of Pulakeshin-II's Aihole Inscription as a historical source. **14**

एक ऐतिहासिक स्त्रोत के रूप में पुलकेशिन-II के ऐहोल शिलालेख के महत्व को समझाइए ।

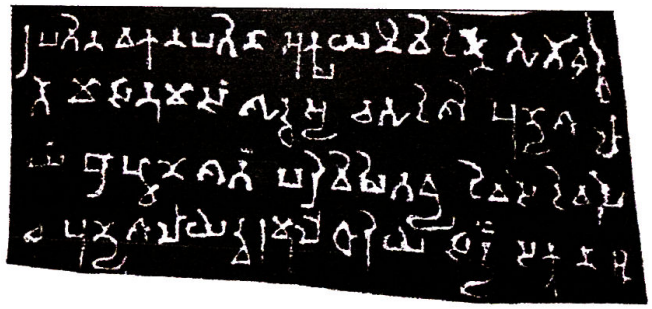
7. Describe the achievements of Pratihara King Bhoja on the basis of Gwalior inscription. **14**

ग्वालियर लेख के आधार पर प्रतिहार राजा भोज की उपलब्धियों का वर्णन कीजिए ।

Unit IV (इकाई IV)

8. Transcribe the following lines of Brahmi inscription into Devnagri or Roman script. **14**

ब्राह्मी अभिलेख की निम्नलिखित पंक्तियों को देवनागरी या रोमन लिपि में लिप्यांतरण कीजिए ।



55633

M. A. (NEP-2020) EXAMINATION, 2026

(Fourth Semester)

HISTORY, CULTURE AND ARCHAEOLOGY

Ancient Indian Epigraphy and Palaeography–II

Time : 3 *Hours*] [*Maximum Marks :* 70

Before answering the question-paper, candidates must ensure that they have been supplied with correct and complete question-paper. No complaint, in this regard will be entertained after the examination.

Note : Attempt *Five* questions in all, selecting *one* question from each Unit. Q. No. **1** is compulsory. All questions carry equal marks.

प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रश्न क्र. **1** अनिवार्य है । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. Write short notes on the following : **7×2=14**

(a) James Prinsep

(b) Pisajipadaka

(c) Regnal Year 19 (Pulumavi) Clarify

(d) Banskhera

(e) Date of Mahabharata

(f) Agrahar

(g) Mahakshpattaladhikaranadhikrita.

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) जेम्स प्रिंसेप

(ब) पिसाजिपदक

(स) शासन वर्ष 19 (पुलुमावी) स्पष्ट करें

(द) बांसखेड़ा

(इ) महाभारत की तिथि

(फ) अग्रहार

(ग) महक्षपट्टलाधिकरणाधिकारित ।

Unit I (इकाई I)

2. Evaluate the historical importance of Sarnath Buddhist image inscription of the Kanishka-1 (Regnal Year 3). **14**

कनिष्क-1 (Regnal Year 3) के सारनाथ बौद्ध छवि शिलालेख के ऐतिहासिक महत्व का मूल्यांकर कीजिए।

3. Exemplify historical and cultural importance of Gimar rock inscription of Rudradaman-1. **14**

रुद्रदामन-1 के गिरनार शिलालेख के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को स्पष्ट कीजिए ।

Unit II (इकाई II)

4. Identify Chandra based on the Mehrauli Iron Pillar inscription. **14**

मेहरौली लौह स्तम्भ लेख के आधार पर चंद्र की पहचान कीजिए ।

5. Examine the historical significance of Mandsaur Pillar inscription of Yasodharman Vishnuvardhana. **14**

यशोधर्मन विष्णुवर्धन के मंदसौर स्तंभ अभिलेख के ऐतिहासिक महत्व का परीक्षण कीजिए ।

9. Transcribe the following lines into their original script : **14**

अधोदत्त पंक्तियों को उनकी मूल लिपि में लिखिए :

तीर्त्वा सप्तमुखानि येन समरे सिन्धोर्ज्जिता वाहिलकाः यस्याद्याप्यधिवास्यते जलनिधिर्वीर्य्यानिलैर्द्दक्षिणः खिन्नस्येव विसृज्य गां नरपतेर्गामाश्रितस्येतरां; मूर्त्या कर्मजितावनीं भगवतः कीर्त्या स्थितस्य क्षितौ । शान्तस्येव महावने हुतभुजो यस्य प्रतापो महान्नाद्याप्युत्सृजति प्रणाशितरिपोर्य्यत्नस्य शेषः क्षितिम् प्राप्तेन स्वभुजार्ज्जितं च सुचिरं चैकाधिराज्य क्षितौ; चन्द्राह्वेन समग्रचन्द्रसदृशीं वक्त्रश्रियं विभ्रता । तेनायं प्राणिधाय भूमिपतिना धावेन विष्णौ मति; प्रांशुर्व्विष्णुपदे गिरौ भगवतो विष्णोर्ध्वजः स्थापितः

❖❖❖❖❖❖❖

9. Transcribe the following lines into their original script : **14**

अधोदत्त पंक्तियों को उनकी मूल लिपि में लिखिए :

तीर्त्वा सप्तमुखानि येन समरे सिन्धोर्ज्जिता वाहिलकाः यस्याद्याप्यधिवास्यते जलनिधिर्वीर्य्यानिलैर्द्दक्षिणः खिन्नस्येव विसृज्य गां नरपतेर्गामाश्रितस्येतरां; मूर्त्या कर्मजितावनीं भगवतः कीर्त्या स्थितस्य क्षितौ । शान्तस्येव महावने हुतभुजो यस्य प्रतापो महान्नाद्याप्युत्सृजति प्रणाशितरिपोर्य्यत्नस्य शेषः क्षितिम् प्राप्तेन स्वभुजार्ज्जितं च सुचिरं चैकाधिराज्य क्षितौ; चन्द्राह्वेन समग्रचन्द्रसदृशीं वक्त्रश्रियं विभ्रता । तेनायं प्राणिधाय भूमिपतिना धावेन विष्णौ मति; प्रांशुर्व्विष्णुपदे गिरौ भगवतो विष्णोर्ध्वजः स्थापितः

❖❖❖❖❖❖❖